

HINDI FIRST ADDITIONAL LANGUAGE: PAPER I

Time: 2 hours

80 marks

PLEASE READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY

1. This question paper consists of 7 pages. Please check that your question paper is complete.
 2. Read the instructions to each question carefully.
 3. Answer all sections.
 4. All answers must be written in the Hindi script.
 5. You may use the last 4 pages of the Answer Book for rough work. Cross out all rough work before handing in your answer book.
 6. It is in your own interest to write legibly and to present your work neatly.
-

भाग क

प्रश्न एक

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों में हिन्दी में दीजिए ।

पृथ्वीराज कपूर

पृथ्वीराज कपूर हिन्दी सिनेमा जगत एवं भारतीय रंगमंच के प्रमुख स्तंभों में गिने जाते हैं । पृथ्वीराज कपूर ने बतौर अभिनेता मूक फिल्मों से अपना करियर शुरू किया । उन्हें भारतीय जन नाट्य संघ के संस्थापक सदस्यों में से एक होने का भी गौरव हासिल है । पृथ्वीराज ने सन् 1944 में मुम्बई में पृथ्वी थिएटर की स्थापना की, जो देश भर में घूम-घूमकर नाटकों का प्रदर्शन करता था । इन्हीं से कपूर खानदान की भी शुरुआत भारतीय सिनेमा जगतमें होती है ।

पृथ्वीराज ने पेशावर पाकिस्तान एडवट कालेज से स्नातक की शिक्षा प्राप्त की । उन्होंने एक साल तक कानून की शिक्षा भी प्राप्त की जिसके बाद उनका थियेटर की दुनिया में प्रवेश हुआ । 1928 में उनका मुम्बई आगमन हुआ । कुछ एक मूक फिल्मों में काम करने के बाद उन्होंने भारत की पहली बोलनेवाली फ़िल्म आलम आरा में मुख्य भूमिका निभाई ।

पृथ्वीराज कपूर का जनम 3 नवम्बर 1906 को पश्चिमोत्तर सीमान्त प्रदेश (अब पाकिस्तान) का राजधानी पेशावर में विश्वेश्वरनाथ के यहा हुआ । उनकी आरम्भिक शिक्षा समूंदरी नामक कस्बे में हुई । नाटकों में अभिनय करने की रुचि उनमे पारम्भ से ही थी । 1927 में पृथ्वीराज ने कानून की पढाई के लिए लाहौर गया ।

कानून की परिक्षा में वह असफल रहे । इसी वर्ष वे फिल्मों की अधोषित राजधानी बम्बई चले आये आदर्श ईरानी की इम्पीरियल फिल्म कम्पनी में भर्ती हो गये । वह जमाना मुक फिल्मों का था । 1930 तक आते आते मुक फिल्मों का युग समाप्त हुआ और बोलती फिल्मे चल पड़ी ।

1931 में जब आदर्शन ईरानी ने पहली सवाक फिल्म “आलम आरा” बनाई तो पृथ्वीराजको इसमें खलनायक का रोल मिला । पृथ्वीराज ने एंडरसन थिएटर कम्पनी के साथ मिलकर देशके विभिन्न स्थानों का भ्रमण किया । इस कम्पनी में रहकर कपूर का नाटको में अभिनय करने का शौक अवश्य पूरा हुआ ।

1944 में पृथ्वी थिएटर, हिदूस्तान का पहला व्यवसायी थिएटर की स्थापना की । पृथ्वी थिएटर ने रामानंद सागर, शंकर जयकिशन और राम गंगुली जैसे कई महत्वकांक्षी प्रतिभाएं प्रस्तुत की । ये महान अभिनेता थिएटर और फिल्म दोनों में सफल रहें ।

इसी दौरान पृथ्वीराज कपूर की मुगल आज़म, हरिश्चंद्र तारामती, सिकंदर आजम, आसमान, महल जैसी कुछ सफल फिल्में प्रदर्शित हुईं। 1968 में प्रदर्शित फिल्म तीन बहुरानीयां में पृथ्वीराज ने परिवार के मुखिया की भूमिका निभाई, जो अपने बहुरानियों को सच्चाई की राह पर चलने के लिए प्रेरित करता है। इसके साथ ही अपने पुत्र रणधीर कपूर की फिल्म कल आज और कल में भी पृथ्वीराज कपूर ने यादगार भूमिका निभाई।

1972 में उनकी मृत्यु के पश्चात उन्हें दादा सहाब फाल्के पुरस्कार से भी नवाजा गया। पृथ्वीराज कपूर को कला क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा सन् 1969 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था।

- १.१ पृथ्वीराज कपूर कौन थे ? (२)
- १.२ उनके युवा के दिनों का वर्णन कीजिए ? (४)
- १.३ इन वाक्य को अपने शब्दों में समझाइए:
 - १.३.१ घूम-घूमकर नाटकों का प्रदर्शन (४)
 - १.३.२ बतौर अभिनेता मूक फिल्मों से (४)
 - १.३.३ सच्चाई की राह पर चलने के लिए प्रेरित करता (४)
- १.४ पृथ्वीराज कपूर ने मृत्यु से पहले, किस लिए सम्मानित किया गया ? (४)
- १.५ समानार्थी शब्द लिखिए:
 - १.५.१ मृत्यु
 - १.५.२ जगत
 - १.५.३ क्षेत्र
 - १.५.४ शिक्षा (४)
- १.६ विलोम शब्द लिखिए:
 - १.६.१ सवाक
 - १.६.२ मृत्यु
 - १.६.३ आरम्भ
 - १.६.४ देश (४)

भाग ख**प्रश्न दो**

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसका संक्षिप्त विवरण कीजिए

इंटरनेट का महत्व का निबन्ध

इंटरनेट आधुनिक और उच्च तकनीकी विज्ञान का एक महत्वपूर्ण अविष्कार है। ये किसी भी व्यक्ति को दुनिया के किसी कोने में बैठे हुए महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान करने की अद्भुत सुविधा प्रदान करता है। इसके माध्यम से हम लोग आसानी से किसी एक जगह रखे कम्प्यूटर को किसी भी एक या एक से अधिक कम्प्यूटर से जोड़कर जानकारी का आदान प्रदान कर सकते हैं।

इंटरनेट के माध्यम से आमजन का जीवन आसान हो गया है क्योंकि इसके द्वारा हम बिना घर के बाहर गये ही अपना बिल जमा करना, फिल्म देखना, व्यापारिक लेन-देन करना, सामान खरीदना आदि काम कर सकते हैं। अब ये हमारे जीवन का एक खास हिस्सा बन चुका है।

इसकी सुगमता और उपयोगिता की वजह से, ये हर जगह इस्तमाल होता है जैसे कार्यस्थल, स्कूल, कॉलेज, बैंक और शिक्षण संस्थान। आज के अत्याधुनिक युग में कम्प्यूटर हमारे जीवन का मुख्य भाग बन गया है। आज हम अपने जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते। आज हम अपने कमरे या ऑफिस में बैठे-बैठे देश-विदेश जहाँ भी चाहें इंटरनेट द्वारा अपना संदेश भेज सकते हैं।

इंटरनेट के हमारे जीवन में प्रवेश के साथ ही, हमारी दुनिया बड़े पैमाने पर बदल गई है। इसके द्वारा हमारे जीवन में कुछ सकारात्मक तो कुछ नकारात्मक परिवर्तन हुए हैं। ये विद्यार्थीयों, व्यापारीयों, सरकारी दफ्तरों आदि के लिए काफी फायदेमंद है।

दुनिया भर एक भयानक बीमारी फैले हुए है। कोविड १९ में लोग बहार नहीं जा सकते। सबको घर में बैठकर अपना काम कम्प्यूटर पर करते हैं। लोकडौन में हर व्यक्ति अपने घर में रहना चाहा। सोशल डिस्टेंसिंग को निभाना पडा। इसी तरह इंटरनेट और भी महत्व बन गये।

[१०]

भाग ग

प्रश्न ३

निम्न विज्ञापित को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्न का उत्तर दीजिए ।

FREE
ONE
BONE CHINA
MUG

टुडे
हरियाली
चाय

टुडे हरियाली चाय
के प्रत्येक 250 ग्रा.
पैकेट के साथ
एक बोन चाईना मग
बिल्कुल
मुफ्त!

Today's
Harvati
TEA

हर गृहणी की पसंद
चाय भी मेरी...
मग भी मेरा...

Real Tea. Real Taste.

Packed By:
TODAY TEA LIMITED
DELHI-110082 (INDIA)

Sole Distributor: **RISHABH TEA CO. PVT. LTD.**
Ph.: 22530708, 22049527

Offer available only on the above mentioned packet, till stocks last. Stocks also available without this offer.

- 3.1 इस विग्यापन में क्या विग्यापित है ? (2)
- 3.2 निम्नलिखित वाक्य को अपने शब्दों में लिखिए:
- 3.2.1 एक बोन चाईना मग बिल्कुल मुफ्त । (2)
- 3.2.2 हर गृहनी की पसंद । (2)
- 3.3 विग्यापन के अनुसार चित्र में क्या संदेश देते हैं ? (4)
- 3.4 इस विग्यापन में क्या बड़े अक्षरों में लिखा हैं और क्यों ? (4)
- 3.5 यह विग्यापन किसके लिए है ? (3)
- 3.6 इस विग्यापन पर आपकी राय क्या हैं ? (3)
- 3.7 आप इस विग्यापन को और अधिक ज़ोर देने के लिए कैसे बदल सकते हैं? दो वाक्य लिखो । (4)
- (24)

प्रश्न ४

निम्नलिखित चित्र को ध्यान पूर्वक देखकर प्रश्नों का उत्तर दीजिए ।



- ४.१ कार्टून को अपने शब्दों में वर्णन कीजिए ? (२)
- ४.२ ये दो स्त्री कौन हो सकते ? कारण बताईए । (४)
- ४.३ “मेहनत बेकार न जाए” का अर्थ क्या है ? (४)
- ४.४ पत्नी कैसे पति को सुधारते हैं ? (३)
- ४.५ आजकल के स्त्रियों क्या ऐसे बैठकर बातें करते हैं ? कारण बताईए (३)

(१६)

[८०]

Total: 80 marks